

नरमे ने पकड़ी तेजी, फतेहाबाद मंडी में 9 हजार रुपये तक पहुंचा भाव

■ शुरुआती आवक के साथ लगातार मजबूत होता गया नरमे का बाजार

►►आवक बढ़ने पर बाजार की दिशा मांग, गुणवत्ता और मात्रा तय करेगी, ►►भाव अंतर के चलते व्यापारी नरमा लेकर पहुंच रहे आदमपुर

आगे और बढ़ सकती है आवक

फतेहाबाद मंडी में शुक्रवार को नए नरमे की पहली आवक हुई थी। सीजन की पहली फसल को ही 8625 रुपए प्रति क्विंटल का भाव मिला। इसके बाद जैसे-जैसे नई फसल की आवक शुरू हुई और बाजार में कारोबार बढ़ा, नरमे के भाव में भी तेजी बनी रही। अब भाव 9 हजार रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंच गया है। खास बात यह है कि अभी सीजन की शुरुआत है और नरमे की आवक पूरी तरह रफ्तार नहीं पकड़ पाई है।

कपास उत्पादक किसानों को बेहतर भाव की उम्मीद

पिछले सीजन में फतेहाबाद मंडी में नरमा करीब 5600 से 6925 रुपए प्रति क्विंटल तक बिका था। इसके मुकाबले इस सीजन की पहली आवक ही 8625 रुपए पर हुई। अब 9 हजार रुपए का भाव मिलने से पिछले साल के अधिकतम भाव की तुलना में नरमा 2075 रुपए प्रति क्विंटल ऊपर बिक रहा है। इससे कपास उत्पादक किसानों में इस सीजन में बेहतर भाव मिलने की उम्मीद बढ़ी है।



फतेहाबाद। खराब होती नरमे की फसल। फोटो: हरिभूमि

सबसे खास बात, अभी आवक शुरू ही हुई है

नरमे के बाजार में इस समय सबसे ज्यादा चर्चा इस बात की है कि 9 हजार रुपए का भाव उस समय मिल रहा है, जब नई फसल की आवक अभी शुरुआती दौर में है। आने वाले दिनों में खेतों से नरमे की आवक बढ़ेगी। इसके बाद बाजार किस दिशा में जाता है, यह मांग, गुणवत्ता और आवक की मात्रा पर निर्भर करेगा। फिलहाल पहली आवक के 8625 रुपए से 9 हजार रुपए तक पहुंचा भाव किसानों के लिए सीजन की मजबूत शुरुआत का संकेत दे रहा है।

आदमपुर में फतेहाबाद से भी 150-200 रुपए ज्यादा भाव

फतेहाबाद में नरमा 9 हजार तक पहुंचने के बावजूद नजदीकी आदमपुर मंडी में इससे 150 से 200 रुपए प्रति क्विंटल तक ज्यादा भाव मिल रहे हैं। इसी वजह से भद्र टू मंडी और फतेहाबाद क्षेत्र के कुछ नरमा व्यापारी खरीदा हुआ नरमा आदमपुर ले जाकर बेच रहे हैं। मंडियों के बीच यह भाव अंतर फिलहाल नरमा कारोबार का अहम पहलू बना हुआ है।

खबर संक्षेप

विदेश से डायमंड हार के नाम पर 6 लाख की ठगी

फतेहाबाद। विदेश से महंगा डायमंड हार भेजने और कस्टम ड्यूटी के नाम पर 6 लाख की साइबर ठगी करने के मामले में थाना साइबर क्राइम फतेहाबाद पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी हिमांशु गौतम पुत्र राजपाल, निवासी गांव बढेड़ी कौली, देवबंद, जिला सहारनपुर, यूपी के कब्जे से एक लाख 50 हजार रुपये की नगदी भी बरामद की है। थाना साइबर क्राइम प्रभारी निरीक्षक राहुल देव ने बताया कि भट्ट कलां निवासी राजेन्द्र ने साइबर फ्रॉड की शिकायत दर्ज कराई थी।

युवक सट्टा राशि सहित आरोपी दबोचा

सिरसा। पुलिस ने पुलिस ने गश्त व चेंकिंग के दौरान शहर के नोहरिया बाजार क्षेत्र में सार्वजनिक जगह पर सट्टा खाईवाली करने वाले एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से हजारों रुपए की सट्टा राशि बरामद की है। उधर थाना प्रभारी ने रविवार को बताया कि पुलिस टीम ने गश्त के दौरान नोहरिया बाजार क्षेत्र में मौजूद थी। इस दौरान पुलिस को सूचना मिली की एक युवक सार्वजनिक जगह पर सरेआम सट्टा खाईवाली कर रहा है। सूचना के आधार पुलिस ने कार्रवाई की।

हेरोइन सहित दो नशा तस्कर गिरफ्तार

सिरसा। पुलिस ने नशा तस्करों पर कार्रवाई करते हुए जिले क्षेत्र से दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से हेरोइन बरामद की है। पुलिस के अनुसार पकड़े गए आरोपी की पहचान रजसनदीपव गुप्तायार सिंह के रूप में हुई है। एंटी नारकोटिक्स सेल सिरसा प्रभारी ने रविवार को बताया कि पुलिस टीम गश्त व चेंकिंग के दौरान सिरसा के बाजीगर मोहल्ला क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान सामने से एक युवक पैदल आता दिखाई दिया जो कि पुलिस को देखकर वापस मुड़कर भागने की कोशिश करने लगा। पुलिस शक के आधार पर युवक को काबू कर तलाशी ली तो उसके कब्जे से दस ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस पड़ताछ में आरोपी की पहचान जसनदीप के रूप में हुई है।



पुलिस ने गुमशुदा बच्चे को यूपी के वृंदावन से बरामद कर परिजनों को सौंपा

सिरसा। जिला पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत ऐलानबाद क्षेत्र से गुमशुदा बालक महाबीर प्रसाद को उत्तर प्रदेश के वृंदावन क्षेत्र से सकुशल बरामद कर उसके परिजनों के हवाले कर दिया। बालक के मिलने पर परिवार ने पुलिस का आभार जताया। पुलिस अधीक्षक दीपक जहारण ने रविवार को बताया कि गुमशुदा बच्चों की तलाश कर उन्हें उनके परिवारों से मिलाने के उद्देश्य से सिरसा पुलिस द्वारा विशेष रूप से मिसिंग सेल का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन मुस्कान का मुख्य उद्देश्य गुमशुदा बच्चों को खोजकर उनके परिवारों के चेहरों पर मुस्कान लौटाना है।

तापमान गिरकर 35 डिग्री पर पहुंचा, उमस से अभी राहत नहीं

मानसून की विदाई से पहले आधे घंटे हुई बारिश से किसानों के चेहरे खिले

हरिभूमि न्यूज ►►फतेहाबाद

लंबे इंतजार के बाद रविवार को फतेहाबाद सहित जिला में कई गांवों में बारिश हुई। सुबह करीब साढ़े 10 बजे शुरू हुई बारिश करीब आधे घंटे तक चली। फतेहाबाद में 10 एमएम बारिश दर्ज की गई, जबकि आसपास के गांवों में 3 से 4 एमएम तक पानी बरसा। बारिश के बाद किसानों ने राहत की सांस ली। हालांकि भूना और रतिया क्षेत्र में केवल बूंदबांंदी हुई। बारिश के साथ ही मौसम में बदलाव देखने को मिला और तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। रविवार को अधिकतम तापमान 35.0 डिग्री और न्यूनतम 25.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बोते दिनों टोहाना क्षेत्र में हुई बारिश के बाद रात के समय हवाओं में हल्की ठंडक महसूस होने लगी थी, लेकिन दिन में उमस अभी भी परेशान कर रही है।

आज भी देखने को मिल सकती हैं मानसून गतिविधियां

आज भी देखने को मिल सकती हैं मानसून गतिविधियां



फतेहाबाद। बरसात के बाद खुशनुमा मौसम। फोटो: हरिभूमि

►► 10 दिन पहले होती बारिश तो ज्यादा फायदा मिलता

किसानों के अनुसार बारिश का लंबे समय से इंतजार था। खेतों में नमी कम होने के कारण फसलों की बढ़वार प्रभावित हो रही थी। किसानों का कहना है कि यदि यही बारिश करीब 10 दिन पहले हो जाती तो धान के साथ साथ नरमा और बाजरे की फसल को काफी

आज भी छिटपुट बारिश की संभावना

मौसम विशेषज्ञ डॉ. चंद्रमोहन के अनुसार उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर

अधिक लाभ मिलता। इसके बावजूद रविवार की बारिश ने फसलों को कुछ हद तक संभालने का काम किया है। किसानों को अब उम्मीद है कि आने वाले एक-दो दिन में भी मौसम मेहरबाब रहा तो फसलों को और राहत मिल सकती है।

एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से हरियाणा, एनसीआर और दिल्ली में आज भी मानसून गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। इसका प्रभाव उत्तरी,

20 सितंबर तक मानसून की विदाई संभव

मानसून सीजन अब अंतिम दौर में पहुंच चुका है। जून, जुलाई और अगस्त के बाद सितंबर में भी मानसून कमजोर रहने का अनुमान जताया जा रहा है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार पिछले दिनों सक्रिय हुआ पश्चिमी विक्षोभ एक-दो दिन तक ही बारिश की गतिविधियां दे

सकता है। इसके बाद पश्चिमी विक्षोभ कमजोर होने पर सितंबर के दूसरे सप्ताह से मानसून गतिविधियां धीमी पड़ने की संभावना है। सामान्य से कम बारिश के बीच अनुकूल परिस्थितियां बनीं तो करीब 20 सितंबर तक मानसून की विदाई हो सकती है।

सूखे की मार, बाजरे को भी नुकसान

बारिश के लंबे अंतराल के कारण जिले में खरीफ फसलों पर असर पड़ रहा था। खासकर धान के बाद नरमा की फसल पानी की कमी के कारण सूखे की चपेट में आने लगी थी। अब बाजरे की फसल में भी नुकसान की स्थिति बनने लगी थी। ऐसे समय में रविवार को हुई बारिश किसानों के

लिए संजीवनी साबित हुई है। धान उत्पादक किसानों का कहना है कि बारिश कुछ दिन पहले हो जाती तो फसलों को इसका और अधिक फायदा मिलता। अब हुई बारिश से खेतों में नमी बनी है, जिससे नरमा और बाजरे समेत अन्य फसलों को तत्काल राहत मिलने की उम्मीद है।

पूर्वी और मध्य हरियाणा के जिलों में अपेक्षाकृत अधिक रहने की संभावना है।

पश्चिमी हरियाणा में बादलों की आवाजाही रहेगी और कुछ

स्थानों पर छिटपुट एवं बिखरी हुई बारिश हो सकती है। ऐसे में फतेहाबाद जिले के किसानों को भी आज बारिश की उम्मीद बनी हुई है।

हवाई फायरिंग कर गाड़ी रुकवाई, 7.47 लाख लूटे

हरिभूमि न्यूज ►►फतेहाबाद

गांव खाराखेड़ी से सारंगपुर रोड पर शनिवार देर रात 7.47 लाख रुपए की लूट के मामले में पुलिस ने रविवार को एफआईआर दर्ज कर जांच तेज कर दी है। वारदात में चार बदमाशों के शामिल होने की बात सामने आई है। आरोपियों ने बिना नंबर प्लेट की वरना कार से आकर पहले वेन्यू गाड़ी को साइड मारकर रुकवाया और फिर हवाई फायरिंग की। इसके बाद गाड़ी के शीशे तोड़कर नकदी से भरा बैग लेकर सारंगपुर की तरफ फरार हो गए। डीएसपी जय सिंह के नेतृत्व में अलग-अलग टीमों गठित की हैं, जो आरोपियों की तलाश कर ही है।



फतेहाबाद। लूट के बाद बदमाशों द्वारा तोड़ी गई वेन्यू गाड़ी का शीशा। फोटो: हरिभूमि

पेट्रोल पंप पर पुराना हिसाब चुकाने जा रहे थे

मिली जानकारी के अनुसार आदमपुर निवासी संदीप कुमार शनिवार देर शाम सदलपुर निवासी कुलदीप और प्रमोद के साथ अपनी वेन्यू गाड़ी में बड़ोपल स्थित माहू पेट्रोल पंप जा रहे थे। बताया गया है कि तीनों आदमपुर की मादरा रोड स्थित दागी से 7.47 लाख रुपए से भरा बैग लेकर निकले थे। उन्हें पेट्रोल पंप पर डीजल का पुराना हिसाब चुकता करना था। आदमपुर से सारंगपुर होते हुए वे खाराखेड़ी की तरफ पहुंचे थे।



पुलिस ने गुमशुदा बच्चे को यूपी के वृंदावन से बरामद कर परिजनों को सौंपा

सिरसा। जिला पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत ऐलानबाद क्षेत्र से गुमशुदा बालक महाबीर प्रसाद को उत्तर प्रदेश के वृंदावन क्षेत्र से सकुशल बरामद कर उसके परिजनों के हवाले कर दिया। बालक के मिलने पर परिवार ने पुलिस का आभार जताया। पुलिस अधीक्षक दीपक जहारण ने रविवार को बताया कि गुमशुदा बच्चों की तलाश कर उन्हें उनके परिवारों से मिलाने के उद्देश्य से सिरसा पुलिस द्वारा विशेष रूप से मिसिंग सेल का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन मुस्कान का मुख्य उद्देश्य गुमशुदा बच्चों को खोजकर उनके परिवारों के चेहरों पर मुस्कान लौटाना है।

धर्म-कर्म 5 दिनों तक पितरों का तर्पण, श्राद्ध और पिंडदान होगा, जानिए श्राद्ध पक्ष की सभी तिथियां

26 सितंबर से शुरू होगा पितृ पक्ष, 10 अक्टूबर को सर्वपितृ अमावस्या

हरिभूमि न्यूज ►►फतेहाबाद

हिंदू धर्म में पितृ पक्ष यानी श्राद्ध पक्ष का विशेष धार्मिक महत्व माना गया है। यह अवधि पूर्वजों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने, उनका स्मरण करने और उनके निमित्त तर्पण, श्राद्ध व पिंडदान करने के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती है। वर्ष 2026 में पितृ पक्ष की शुरुआत 26 सितंबर, शनिवार को भाद्रपद पूर्णिमा से होगी और इसका समापन 10 अक्टूबर, शनिवार को सर्वपितृ अमावस्या के साथ होगा। धार्मिक मान्यताओं के



प्रतीकत्मक फोटो

अनुसार पितृ पक्ष में विधि-विधान से किए गए श्राद्ध और तर्पण से पितरों को शांति तथा परिवार की कामना की जाती है।

पितरों की तिथि पर किया जाता है श्राद्ध

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार परिवार में जिन पूर्वजों का निधन जिस तिथि को हुआ हो, पितृ पक्ष में उसी तिथि पर उनका श्राद्ध किया जाता है। श्राद्ध कर्म में तर्पण और पिंडदान के साथ पितरों के निमित्त भोजन अर्पित करने की परंपरा है। मान्यता है कि इससे पूर्वजों की आत्मा को शांति मिलती है और परिवार में सुख-शांति, समृद्धि व मंगल की कामना पूरी होती है।

सर्वपितृ अमावस्या का विशेष महत्व

जिन पितरों की मृत्यु तिथि ज्ञात न हो अथवा किसी कारण से निर्धारित तिथि पर श्राद्ध न हो पाया हो, उनके निमित्त सर्वपितृ अमावस्या पर श्राद्ध करने की धार्मिक परंपरा है। इस दिन परिवार अपने ज्ञात-अज्ञात पूर्वजों का स्मरण कर तर्पण और श्राद्ध कर्म करता है। धार्मिक परंपराओं में पितरों के प्रति श्रद्धा, दान और सेवा को विशेष महत्व दिया गया है।

26 सितंबर पूर्णिमा से शुरू होंगे श्राद्ध

श्राद्ध की तिथि	तारीख	श्राद्ध की तिथि	तारीख
पूर्णिमा श्राद्ध	26 सितम्बर	नवमी तिथि का श्राद्ध	04 अक्टूबर
प्रतिपदा तिथि श्राद्ध	27 सितम्बर	दशमी तिथि का श्राद्ध	05 अक्टूबर
द्वितीया श्राद्ध	28 सितम्बर	एकादशी तिथि का श्राद्ध	06 अक्टूबर
तृतीया श्राद्ध	29 सितम्बर	द्वादशी तिथि का श्राद्ध	07 अक्टूबर
चतुर्थी/पंचमी तिथि काश्राद्ध	30 सितम्बर	मघा तिथि का श्राद्ध	07 अक्टूबर
षष्ठी तिथि का श्राद्ध	01 अक्टूबर	त्रयोदशी तिथि का श्राद्ध	08 अक्टूबर
सप्तमी तिथि का श्राद्ध	02 अक्टूबर	चतुर्दशी तिथि का श्राद्ध	09 अक्टूबर
अष्टमी तिथि का श्राद्ध	03 अक्टूबर	अमावस्या, सर्वपितृ, अज्ञात श्राद्ध	10 अक्टूबर

इस तरह रहेंगे श्राद्ध पक्ष की तिथियां: 26 सितंबर को भाद्रपद पूर्णिमा का पूर्णिमा श्राद्ध होगा। 27 सितंबर को प्रतिपदा, 28 को द्वितीया, 29 को तृतीया और 30 सितंबर को चतुर्थी एवं पंचमी श्राद्ध किया जाएगा। इसके बाद 1 अक्टूबर को षष्ठी, 2 को सप्तमी, 3 को अष्टमी, 4 को नवमी और 5 अक्टूबर को दशमी श्राद्ध होगा। 6 अक्टूबर को एकादशी, 7 को द्वादशी, 8 को त्रयोदशी और 9 अक्टूबर को चतुर्दशी श्राद्ध रहेगा। 10 अक्टूबर को सर्वपितृ अमावस्या के साथ पितृ पक्ष का समापन होगा।



कहानी

अशोक जैन

अनबूझा प्रश्न 'स्व' और 'सवि'

सवि और स्व - दो नाम मेरे लिए परिचित हैं। इनकी कहानी को कितनी ही बार कागजों पर उतारना चाहा, हर बार कुछ पृष्ठ काले करके अधूरी ही छोड़ दी। 'स्व' के आंसुओं में भीगी और 'सवि' की मधुर खिलखिलाहट में डूबी इस व्यथा कथा को आज लिखने की कोशिश कर रहा हूँ।

मेरे सामने अभी भी दोनों के पत्र खुले पड़े हैं। हवा के एक झौंके ने उन्हें सर से उड़ा दिया। 'सवि' का पत्र छिटक कर दूर जा गया। 'स्व' का पत्र अभी भी वहीं पड़ा है --मुस्कुरा दिया मैं - स्व और सवि और विधि का व्यंथा। बहुत चाहा दोनों को मिलाना- लेकिन दोनों चली गई स्नेह की छाया और आँखों में शिकायत लिए। बचपन में मैंने फूल के दो पौधे लगाए थे। दोनों पास ही खड़ी थी। मैंने सरल भाव से पौधों को इंगित करते हुए कहा था- यह स्व और वह सवि। हंस दी थी दोनों। वसंत आया, फूल के दोनों पौधे बढ़ते गए और फिर पतझड़ के क्रूर शिकंजे ने अपना जौहर दिखा दिया। सवि के पौधे पर कलियां खिलीं पर स्व के पौधे पर कभी बहार न आई और न ही फूल खिले। मुझे चोट पहुंचती। मैं विचलित हो उठता और खाली समय में दोनों पौधों को सींचता, सहलाता पर स्व के उदास पौधे को जिला नहीं सका। दिन गुजरते गए - दोनों के स्वभाव में काफी अंतर था। एक शांत और गंभीर, दूसरी चंचल पर मुझे दोनों प्रिय थीं।

स्व' मेरे खामोश जीवन का सहारा थी, मेरी गंभीर प्रवृत्ति और मेरे लेखन की प्रेरणा। 'सवि' मेरे जीवन का लावण्य, मेरी मुस्कुराहट। दोनों को मुझसे प्रेम था पर उनके स्नेह में भी अंतर था। 'स्व' के स्नेह में शीतलता और 'सवि' तो थी ही उष्णता। मैं अनुजाने में ही शायद 'स्व' की ओर अधिक ध्यान दिया करता। मुझे मालूम था कि उसे सहारा चाहिए, किसी के स्नेह का आवरण चाहिए। नहीं तो वह मिट जाएगी। और फिर वह इस बात से भी अनभिज्ञ नहीं थी कि मैं उसका भाई नहीं हूँ। यही कारण था कि शायद अनजाने में ही मौसी की उस अनाथ लड़की के प्रति मुझे अपार स्नेह हो गया था। 'सवि' अपनी मृगमयनी आंखों में आंसू भर कर कहती- 'भैया। तुम स्व को मुझसे अधिक चाहते हो।' मैं डांट देता। और सवि रोती हुई मां के पास चली जाती। मां के डांटने से पहले ही हम दोनों रफूचक्कर हो जाते थे। दिन- माह - वर्ष आए और चले गए। 'स्व' को कला से प्रेम था और 'सवि' को संगीत से। 'सवि' ने संगीत में एम ए किया और 'स्व' ने आर्ट में पंचवर्षीय कोर्स। मैंने एमबीबीएस किया और डाक्टर बन गया। 'स्व' की प्रेरणा का ही परिणाम था यह। हमेशा कहा करती थी 'आप डाक्टर बनो। कितनी प्रसन्नता होगी मुझे जिस दिन सैकड़ों पीड़ितों के प्राण बचा सकोगे।' मैं तब गर्व से कहूंगी - ये मेरे भैया हैं।' मैं हंस देता। स्नेह से उसके बालों



सवि ने आज भी पत्र में वही उलाहना दिया है - ‘भैया। मेरी परवाह क्यों करने लगे आप! स्व जो है’। स्व और सवि के रास्ते अलग-अलग हैं, लेकिन एक भाई की अपनी बहन के लिए तमन्ना यही होती है कि वह खुश रहे। लेकिन आज भी वह प्रश्न अनबूझा ही है कि दोनों में मुझे कौन अधिक प्रिय है। स्व के बिना सवि की हंसी हंसी नहीं लगती और सवि के बिना स्व की सिसकियों में दुख का आभास नहीं होता।

को थपकी देकर कहता- जा सो जा। या रातभर भैया के सिरहाने बैठी रहेंगी। 'ऐसा मेरा सौभाग्य कहां!' 'स्व' मुस्कुराने का असफल प्रयास करती। उस मुसकुराहट में विषाद की रेखा होती। इसके कारण से मैं अनभिज्ञ नहीं था। बचपन में ही 'स्व' के माता पिता की कार दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी और मां अपनी बहन की उस बच्ची को अपने पास ले आई थी। परन्तु 'व' जैसे जैसे बड़ी होती गई, मां उससे खिंचती चली गई। 'सवि' का बचपना करना सभी को अखरता। मासूम 'स्व' पर उसका गुस्सा उतरता। मैं कुछ भी करने का साहस नहीं जुटा पाता। मां के व्यंग बाण और सवि

की खिलखिलाहट उसे वेदना पहुंचाते। जब कभी भी अत्यंत दुखी हो जाती तो मेरे कमरे में आकर रोने लगती। मैं उसे सांत्वना देता। 'मेरी नन्हीं दीदी, रोती क्यों है?' वह रोती रहती। फिर सिसकियां धीरे-धीरे कम होने लगती। 'स्व' मां के साथ पर का सारा काम काज करवाती पर इसका श्रेय उसे कभी नहीं मिलता। एक दिन उसे बुखार था। काम नहीं कर पाई तो मां ने आंगन में खड़े हो कर कहा था- 'तो क्या मेरी फूल सी' 'सवि' काम करें।' 'मां' मैं चौख उठा था। 'यह कैसा अन्याय है। कुछ तो सोचो। वो भी तुम्हारी बेटी की तरह है।'

‘बेटी तो नहीं है न।’ मां ने और ऊंचे स्वर में कहा था। कुछ वर्ष और-- 'स्व' ने 21 वां और 'सवि' ने 20वां वर्ष पूरा किया। मां को 'सवि' के विवाह की चिंता हुई तब धीरे से मैंने कहा था 'मां। स्व बड़ी है। पहले उसकी शादी तो होने दो।' मां नाराज हो गई थी र सारा दिन 'स्व'-- 'स्व' ! जाने क्या जादू कर दिया है इस लड़की ने? 'पर जब मां शांत हुई उन्होंने मुझे बुलाकर कहा-'शरद। श्रीमती केशव का पत्र आया है। लिखा है कि उसका भाई रमन इंजीनियरिंग करके लौटा है। अपनी 'सवि' को देखने आ रहे हैंरमने सब सुना समझा। 'ह रहकर' स्व' की आंखों में तैरता एक अनबूझा प्रश्नचिह्न मुझे व्यथित करने लगाता- भैया मेरा अपराध क्या है!! कुछ दिन बाद मां के कहने पर मैं श्रीमती केशव और रमन को लेने स्टेशन गया था। लौटने पर जब काल बैल के बजने पर 'स्व' को द्वार पर खड़े पाया तो चौंक गया। मां की सख्त हिदायत के बावजूद 'स्व' यहां कैसे! फिर ख्याल आया कि हम समय से पहले आ गये थे।

मैं रमन की ओर मुड़ा। सुन्दर चेहरे पर प्रशंसनीय भाव थे। 'स्व' को जब वस्तुस्थिति का भान हुआ तो संकोच से आंखें नीची कर के भाग गई। 'मिसेज केशव ने पूछा 'यही।' 'जी हां। यही मेरी बहन है --'बहुत बड़े सत्य को झुठला दिया था मैंने। तभी मां का तमतमाया चेहरा मेरे जहन में उभरा। मां को जब सत्य का पता चला तो मेरे सामने ही हाथ से कांच की प्लेट जमीन पर दे मारी। कांच का एक टुकड़ा छिटक कर मेरे माथे पर आ लगा। घाव तो समय रहते भर गया पर निशान आज भी मौजूद है। 'सवि' को देखकर भी रमन ने 'स्व' को पसंद किया। मां 'स्व' और रमन की शादी में सम्मिलित नहीं हुई। 'स्व' की विदाई के समय रमन के कंधे पर हाथ रखकर मैंने कहा था -'रमन बाबू! 'स्व' मेरी बहन से बढ़कर है, उसे ...'

रमन मुस्कुरा दिया- 'आपके स्नेह की थाह उसी दिन देख ली थी जब द्वार पर खड़ी 'स्व' को आपने अपनी बहन कहा था।' कुछ माह पश्चात 'सवि' भी चली गई। मां बहुत चाहने पर भी मुझसे नाराज नहीं रह पाई। आज सोचता हूं मैंने वही किया जो मेरा कर्तव्य था। 'सवि' ने आज भी पत्र में वही उलाहना दिया है - 'भैया। मेरी परवाह क्यों करने लगे आप! 'स्व' जो है।'

'स्व' और 'सवि' के रास्ते अलग-अलग हैं, लेकिन एक भाई की अपनी बहन के लिए तमन्ना यही होती है कि वह खुश रहे। लेकिन आज भी वह प्रश्न अनबूझा ही है कि दोनों में मुझे कौन अधिक प्रिय है। 'स्व' के बिना 'सवि' की हंसी हंसी नहीं लगती और 'सवि' के बिना 'स्व' की सिसकियों में दुख का आभास नहीं होता।

कवि कॉर्नर

गजल

आशा खत्री लता

नकली जिनकी मुस्कानें हैं

नकली जिनकी मुस्कानें हैं उनके वर्क उतर जाने हैं।

दीप दिखाये जो सूरज को उनके सव भी खुल जाने हैं।

गीत गजल औ कथा कहानी सभी पीर की संतानें हैं।

पीड़ा व्यथा दर्द जख्म सब आँसू में ही ढल जाने हैं।

जिनसे गीत उपजता मगरुह वो दिल कितने वीराने हैं।

रोज नयी पीड़ा है दिल में रोज नये ही अफसाने हैं।

कविता

जय प्रकाश पंडेय

सुख का साम्राज्य

कमी चलती है मस्त मलय गुनगुनाती मुस्कराती उपवन के एक कोने से दूसरे कोने तक झूमती है डालें खिलते है फूल चहचहाते पक्षी उछलते कुदते जीव जंतु सुख का साम्राज्य कमी रुक जाती वही हवा बेरुखी बदहाल सबका बुरा हाल अस्त व्यस्त सब क्या ही करे अब बेहाल परेशान गुरुझो फूल फांवरने पड़े धूल सब रुक गया सा कुछ लुट गया सा सब कुछ तो वही है पवन ही न बही है चले दूंदने है पवन में उसको उसको पवन में सुकुण वह पहले भी न था अब भी गायब है सब अहसासों में ।।

सोशल मीडिया में गालियों का सुपर मार्केट



व्यंग्य

रेखा शाह आरबी

सच बता रहे हैं चतुरी जी गाली अक्षर का 'ग' भी नहीं जानते थे। वह उतने ही भोले-भाले थे जितना किसी कविता में एक नवजात शिशु रहता है। जो अल्ले-ले-ले की भाषा के अलावा कुछ समझता ही नहीं है। वह तो किसी वेद, पुराण, भाषा विज्ञान को नहीं समझता है। फिर गालियों की तो बात ही क्या करनी है। चतुरी जी तो ऐसे थे कि यदि कोई कभी-कभार उनके जानने वाला गाली दे दे, तो वह चार लोगों से उसका अर्थ भावार्थ पूछते हुए चलते थे। तब जाकर उनकी समझ में आता था कि आखिर उस व्यक्ति ने उन्हें कहा क्या है। यह दुनिया तो लोगड़ी के जैसे है। पर चतुरी जी मासूम पांडा जैसे जीव थे। ऐसे जिसे उसी का मन मासूमियत से मोह ले।

उनकी मासूमियत तो म्युजियम में रखने लायक चीज थी अर्थात बहुत कोमती - दुर्लभ थी। पर हाय रे यह दुनिया और हाय रे दुनिया वाले, अनमोल चीजों की कवर करना जानते ही नहीं है। रोज उनकी मासूमियत को नीलाम करना चाहते हैं। उनकी भी अपने के जैसे रंग में ढालने का इंतजाम कर लिए। अब बताते हैं कि कैसे करना चाहते हैं। चतुरी जी ने दुनिया से जो सीखा, वह तो खैर सीखा ही, लेकिन इतना नहीं सीखा, जितना सोशल मीडिया ने उनको सिखा दिया। और उतना सीखना भी नहीं चाहिए था। एक दिन सोशल मीडिया पर अपना अकाउंट बना लिया। मजे के लिए बनाया

देश की सारी मिसाइल में उतनी आग नहीं रहती है, जितनी उनकी गालियों में रहती है। सुनने वाला सुनकर ही मर जाए। मुंह से जहर ऐसे निकलते हैं जैसे अमृत निकालते हैं। कुछ लोग तो इस कुक्कुर झौंवा के परमानेंट सदस्य होते हैं। जो रोज पहली फुर्सत से पंचायत लगाते हैं। उसके बाद उस पर कुक्कुर झौंवा करने सोशल मीडिया पर बैठते हैं।

गया अकाउंट एक तरह से उनके कोचिंग क्लास में ही बदल गया। इसके सिलेबस एकदम फिक्स थे। टीचर हद दर्जे के काइयां थे। पर पूरे अव्वल दर्जे के अपने विषय के ज्ञाता थे। मजाल कि कोई उनसे जीत जाये। अब चतुरी जी कोई भगवान थोड़े ना थे। वह भी इंसान थे, उनके अंदर भी जज्बात और भावनाएं थी, तो उनके ऊपर भी प्रभाव पड़ना लाजमी था। वह कहा जाता है 'जेसी संगति वैसे विचार' हो जाते हैं, सही ही कहा गया है।

अब तो आप सब जानते ही हैं। सोशल मीडिया में रोज किसी न किसी के बीच में

कुक्कुर झौंवा मचा रहता है। सोशल मीडिया में रोज तो किसी न किसी के बीच में कुश्ती होती ही रहती है। कुश्ती के बीच में एक-दूसरे पर मौकने के चक्कर में खूब भौ-भौ तो करते ही हैं। कुछ कौवे के जैसे कांव-कांव करते हैं। कुछ यहां पर शेर के जैसे गरजते हैं, तो कुछ लकड़बक्का टाढ़प के भी हैं। बातों की लारें और गालियों की मिसाइल बरसाते हैं।

देश की सारी मिसाइल में उतनी आग नहीं रहती है, जितनी उनकी गालियों में रहती है। सुनने वाला सुनकर ही मर जाए। मुंह से जहर ऐसे निकलते हैं जैसे अमृत

निकालते हैं। कुछ लोग तो इस कुक्कुर झौंवा के परमानेंट सदस्य होते हैं। जो रोज पहली फुर्सत से पंचायत लगाते हैं। उसके बाद उस पर कुक्कुर झौंवा करने सोशल मीडिया पर बैठते हैं।

कुछ लोग टैंपरेरी होते हैं। जब खाली समय रहता तो देखने के लिए चले आते हैं और कुछ दर्शक भी होते तो चतुरी जी भी दर्शक हैं। वह कहावत तो आपने सुनी ही होगी कि देखते देखते इंसान मूर्ख से होशियार बन जाता है। वैसे ही चतुरी जी इस कुक्कुर झौंवा के बीच में गालियां सुनते-सुनते गालियों के एक्सपर्ट बन चुके हैं। अपना सोशल मीडिया तो गालियों का सुपर मार्केट है।

आपकी किस किस्म की गाली चाहिए, बस आपकी डिमांड के अनुसार यहां पर सभी गालियां चलती हैं। एकदम नए-नए बांड की गालियां सोशल मीडिया पर ही सुजन पाती हैं। पुरानी से लेकर नई सभी गालियां यहां पर आपको थोक के भाव में मिलती हैं। चतुरी जी तो पक्के हो गए हैं। जिसकी भी गाली नहीं आती है, वह इस सुपर मार्केट में आकर अपने मनपसंद की गाली लेकर खरीदना भी नहीं है। वैसे ही मुफ्त में सीख सकते हैं। यही इस मार्केट की सबसे बड़ी खूबी है।

लघु कथा

कुशल प्रबंधन

सीमा और नेहा अपनी-अपनी बालकनी में खड़ी होकर बातें कर रही थीं। तभी सीमा की नजर गली से गुजरती गृहकार्य सहायिका गीता पर पड़ी। वह सीमा और नेहा के अतिरिक्त अड़ोस पड़ोस के कुछ ओर भी घरों में काम करती थी। सीमा ने उसकी पहनी हुई साड़ी की तरफ इशारा करते हुए नेहा से कहा 'यह साड़ी तुम्हारी है ना ?' हां, मैंने इसे पांच-सात बार पहन लिया था। वैसे अच्छी साड़ी है, इसके खूब चलेगो।' नेहा ने कहा। 'यह सबकी दी हुई साड़ियां तो पहन लेती है पर पता नहीं मेरी दी हुई साड़ियां क्यों नहीं पहनती जबकि मैं इसे हमेशा नई साड़ी ही देती हूँ।' सीमा ने मायूसी भरे स्वर में कहा, 'मैंने कई बार टोका भी पर यह कहती है कि मेरी साड़ियां नई होती हैं इसलिए आने-जाने में पहनती है काम में नहीं, पर कभी तो मेरे सामने भी पहनकर आए।' नेहा थोड़ी देर किसी सोच में डूब गई, जैसे सोच रही हो कि कहे या नहीं। आखिर उसने कहना शुरू किया, 'इसका तो मुझे पता नहीं पर इससे पहले मैं जहां रहती थी वहां पाप ही के खाली प्लांट में एक मजदूर परिवार रहता था। मैं उन लोगों को एकदम नए कपड़े, नए बर्तन, कंबल आदि देती रहती थी लेकिन मैंने उनको अपने लिए सामान का कभी इस्तेमाल करते हुए नहीं देखा। मैंने ज्यादा गौर भी नहीं किया।'

'एक बार मैं रिकशा से कहीं जा रही थी, तब मैंने उस मजदूर महिला को एक दिन पहले मेरा दिया हुआ कंबल एक ठेले वाले को बेचते देखा। तब मुझे समझ में आया कि ये लोग नया सामान इस्तेमाल न करके बेच देते हैं। इसके बाद मैंने सोच लिया कि अब से मैं अपने द्वारा उपयोग में लाने के बाद ही सामान दिया करूंगी ताकि ये उसे बेचने के बजाय खुद इस्तेमाल करें।' इसलिए मैं गीता को एकदम नई साड़ी नहीं देती।' सीमा ने भी सोच लिया था कि वह कल गीता से इस बारे में बात करेगी। अगले दिन जब गीता आई तो सीमा ने साफ-साफ शब्दों में पूछ लिया कि क्या वह उसकी दी हुई साड़ियां बाजार में बेच देती है?

गीता इस अप्रत्याशित प्रश्न से एकदम सकपका गई। 'क्या कह रही हो दीदी, मैं ऐसा क्यों करूंगी ? आप जानना चाहती हैं ना कि मैं आपकी दी हुई साड़ियां क्यों नहीं पहनती। दरअसल बात यह है कि मेरी दो ननंदें और एक छोटी बहन हैं। मुझे उन लोगों को भी उपहार स्वरूप साड़ियां देनी होती हैं इसलिए मैं खुद को मिलने वाली सभी नई साड़ियां रख लेती हूँ और वे जब भी मेरे पास मिलने आती हैं तो उन्हें भेंट स्वरूप वही साड़ियां दे देती हूँ।' मेरे पहनने के लिए तो मुझे पुरानी साड़ियां मिल ही जाती हैं। अब मैं नई साड़ी पहनूँ और फिर उनके लिए बाजार से खरीद कर लाऊँ तो मेरा बजट बिगड़ जाएगा ना।' गीता के इस जवाब ने सीमा के सारे संशय धो डाले। सीमा ने गीता के कुशल गृह प्रबंधन के साथ रिश्तेदारी निमाने के तरीके की सराहना की। अब उसे गीता से कोई शिकायत नहीं थी।



हृदिभूमि

रोहतक, सोमवार, 7 सितंबर 2026

10

पुस्तक समीक्षा

बहुआयामी व्यक्तित्व का शब्द चित्र है 'सृजन के शिखर'

समीक्षक
डा. मधुकान्त

डॉ. चंद्र त्रिखा के जीवन और व्यक्तित्व पर आधारित कृति 'सृजन के शिखर' केवल एक पुस्तक नहीं, बल्कि एक ऐसे बहुआयामी व्यक्तित्व का शब्द-चित्र है जिसने साहित्य, पत्रकारिता और समाज सेवा के क्षेत्र में अमिट छाप छोड़ी है। माधव कौशिक और सुमेधा कटारिया द्वारा संपादित यह ग्रंथ डॉ. त्रिखा के प्रति विभिन्न लब्ध प्रतिष्ठित रचनाकारों, प्रशासनिक अधिकारियों और उनके करीबियों के श्रद्धा-सुमन का संकलन है। पुस्तक की शुरुआत डॉ. त्रिखा के सेवानिवृत्त स्वरूप से होती है। जस्टिस अमरजोत भट्टी के शब्दों में, डॉ. त्रिखा ने मानवता को केंद्र में रखकर सेवा को अपना धर्म बनाया है। वह न केवल एक प्रखर होम्सोपैथिक चिकित्सक हैं, बल्कि करुणा और संवेदनशीलता के जीवंत प्रतीक भी हैं। त्रिखा



मैडिकल मिशन के माध्यम से उन्होंने समाज के वंचित और उपेक्षित वर्गों के लिए जो कार्य किए हैं, वे आज के समय में अनुकरणीय हैं। डॉ. त्रिखा का स्वभाव ऐसा है कि वे पहली ही मुलाकात में किसी को भी अपना बना लेते हैं। पत्रकारिता के क्षेत्र में उनका योगदान, विशेष रूप से हरियाणा साहित्य अकादमी के माध्यम से किए गए नवाचारी कार्य, उन्हें एक कुशल नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित करते हैं। पुस्तक की विषय-सूची ही इसकी व्यापकता की गवाही देती है। इसमें डॉ. सुमन सेनी, डॉ. मोहित गुप्ता, डॉ. पवन कुमार शर्मा और उमा शर्मा जैसे अनेक लेखकों के लेख संकलित हैं, जो डॉ. त्रिखा के जीवन के विभिन्न पड़ावों, अविरोध की मिट्टी से जुड़ाव, चंडीगढ़ में उनकी सक्रियता और दिल्ली के साहित्यिक गलियारों में उनकी उपस्थिति- पर प्रकाश डालते हैं। प्रत्येक लेखक ने उन्हें अलग-अलग उपमाओं से नवाजा है, जैसे अगाध ज्ञान की रोशनी गुफा, सृजनशील संत, और असाधारण व्यक्तित्व। पुस्तक के पिछले आवरण पर दिए गए उद्धरण इस कृति के सार को और स्पष्ट करते हैं। निष्कर्षतः 'सृजन के शिखर' डॉ. चंद्र त्रिखा के विराट व्यक्तित्व को समझने का एक सशक्त माध्यम है। यह पुस्तक दर्शाती है कि कैसे एक व्यक्ति अपने भीतर एक चिकित्सक, संपादक, कवि, प्रशासक और सबसे महत्वपूर्ण एक नेक इंसान को एक साथ जीवित रख सकता है। यह कृति पाठकों को सेवा, करुणा और निरंतर कर्मठता की प्रेरणा देती है। यह केवल एक व्यक्ति की जीवनी नहीं है, बल्कि मानवता के प्रति अटूट विश्वास की एक जीवंत गाथा है जो आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मार्गदर्शक का कार्य करेगी।

कुछ हटकर

एआई से घबराएं नहीं करियर में बनाएं ताकत

सेंट्रल डेस्क

कहां से करें पढ़ाई

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई अब केवल कंप्यूटर की दुनिया तक सीमित नहीं रह गई है। पढ़ाई से लेकर बैंकिंग, चिकित्सा, कृषि, मीडिया और कारोबार तक इसका इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में विद्यार्थियों के सामने करियर को लेकर एक नया सवाल खड़ा हो गया है कि एआई के दौर में किस क्षेत्र को चुना जाए। विशेषज्ञों के मुताबिक हर छात्र के लिए एआई इंजीनियर बनना जरूरी नहीं है। जरूरत इस बात की है कि विद्यार्थी अपने पर्सनल क्षेत्र की विशेषज्ञता के साथ एआई का इस्तेमाल करना सीखें। आने वाले समय में तकनीकों की समझ रखने वाले डॉक्टर, शिक्षक, वकील, पत्रकार, कृषि विशेषज्ञ और वित्त विशेषज्ञों के लिए भी नए अवसर पैदा हो सकते हैं। ऐसे में 10वीं और 12वीं के बाद विषय चुनने से लेकर उच्च शिक्षा और नौकरी तक विद्यार्थियों को बदलती जरूरतों को

- एनआईईएलआईटी : एआई, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस और कंप्यूटर से जुड़े पाठ्यक्रम।
- स्वयं-एनपीटीईएल : आईआईटी और अन्य संस्थानों के ऑनलाइन पाठ्यक्रम।
- आईआईटी के एआई और डेटा साइंस : बायोटेक, एमटेक और शोध के लिए बेहतर विकल्प।
- विश्वविद्यालय और निजी संस्थान : एआई, मशीन लर्निंग और डेटा साइंस में स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम।
- ऑनलाइन पाठ्यक्रम : कॉलेज की पढ़ाई के साथ एआई के छोटे प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम किए जा सकते हैं।

ध्यान में रखना होगा। सही पाठ्यक्रम, जरूरी कौशल और व्यावहारिक अनुभव के साथ एआई को करियर की चुनौती नहीं, बल्कि नई संभावना बनाया जा सकता है।

कौन-सा रास्ता चुनें

- गणित और कंप्यूटर में रुचि : बायोटेक कंप्यूटर साइंस/एआई-एमएल
- आंकड़ों में रुचि : डेटा साइंस/सांख्यिकी
- कृषि में रुचि : कृषि की पढ़ाई/एआई व डेटा कौशल
- मीडिया पसंद है : पत्रकारिता व एआई व डेटा विश्लेषण

प्रमुख करियर विकल्प

- एआई एवं मशीन लर्निंग : एआई इंजीनियर, मशीन लर्निंग इंजीनियर, एआई शोधकर्ता
- डेटा साइंस : डेटा वैज्ञानिक, डेटा विश्लेषक, बिजनेस विश्लेषक
- साइबर सुरक्षा : साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, सुरक्षा विश्लेषक-रोबोटिक्स : रोबोटिक्स इंजीनियर, स्वचालन विशेषज्ञ
- स्वास्थ्य तकनीक : चिकित्सा आंकड़ा विश्लेषण, स्वास्थ्य तकनीक
- कृषि तकनीक : फसल, मौसम और मिट्टी के आंकड़ों का विश्लेषण
- बैंकिंग एवं वित्त : जोखिम विश्लेषण, धोखाधड़ी पहचान, वित्तीय आंकड़ा विश्लेषण

शुरुआती वेतन कितना

- एआई/मशीन लर्निंग : लगभग 5-12 लाख रुपये सालाना
- डेटा साइंस : लगभग 4-10 लाख रुपये सालाना
- साइबर सुरक्षा : लगभग 4-8 लाख रुपये सालाना
- बैंकिंग/वित्त : लगभग 4-9 लाख रुपये सालाना
- स्वास्थ्य तकनीक : लगभग 4-9 लाख रुपये सालाना-कृषि तकनीक : लगभग 3.5-8 लाख रुपये सालाना
- मीडिया/डिजिटल क्षेत्र : लगभग 3-7 लाख रुपये सालाना

नोट : वेतन कंपनी, शहर, संस्थान, कौशल और अनुभव के अनुसार काफी अलग हो सकता है।

मताना में किरायेदारों की पुलिस वेरिफिकेशन 18 ने जमा करवाई आईडी, सरपंच बोले - बिना जांच न दें मकान

एएसआई वेदप्रकाश ने सुरक्षा और सत्यापन पर दिया जोर

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ फतेहाबाद

जिले में सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने और आपराधिक गतिविधियों पर लगाम लगाने के उद्देश्य से फतेहाबाद पुलिस और ग्राम पंचायतों द्वारा किरायेदारों के वेरिफिकेशन का अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में पुलिस टीम शहर से सटे गांव मताना पहुंची, जहां सरपंच एडवोकेट दलबीर वर्मा के कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस विभाग से एएसआई वेदप्रकाश और एसपीओ धर्मबीर विशेष तौर पर मौजूद रहे। बैठक में गांव मताना में किए गए रह रहे बाहरी परिवारों और मकान मालिकों की ओर से आईडी और पूर्ण ब्योरा ग्राम पंचायत को सौंपा गया। इस अवसर पर पुलिस टीम का नेतृत्व कर रहे एएसआई वेदप्रकाश ने कहा कि जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने और



फतेहाबाद। गांव मताना में किरायेदारों की वेरिफिकेशन को लेकर आयोजित बैठक में मौजूद सरपंच व पुलिस अधिकारी।

18 परिवारों का रिकॉर्ड आया सामने, गुप में साझा होगी जानकारी

सरपंच एडवोकेट दलबीर वर्मा ने बताया कि मताना में सुरक्षा के लिहाज से किरायेदारों का रिकॉर्ड दुरुस्त किया जा रहा है। अब तक 18 प्रवासी एवं बाहरी परिवारों की आईडी और आवश्यक दस्तावेज ग्राम पंचायत के पास जमा हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी किरायेदारों की पूरी डिटेल और पहचान जल्द ही गांव के आधिकारिक गुप में साझा की जाएगी, ताकि गांव के प्रत्येक नागरिक को यह स्पष्ट जानकारी रहे कि किसके

मकान में कौन किराएदार के रूप में निवास कर रहा है। सरपंच दलबीर वर्मा ने ग्रामीणों और मकान मालिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि यदि किसी व्यक्ति के ध्यान में कोई अन्य किराएदार आता है जिसकी आईडी पंचायत के पास जमा नहीं हुई है, तो उसकी तुरंत सूचना दें। इसका मुख्य उद्देश्य गांव में शांति और सुरक्षा का माहौल बनाए रखना है ताकि कोई भी संदिग्ध व्यक्ति अपनी पहचान छिपाकर न रह सके।

किसी भी अप्रिय घटना या संदिग्ध गतिविधि को रोकने के लिए किरायेदारों का पुलिस वेरिफिकेशन अत्यंत अनिवार्य है। कई बार बाहरी व्यक्ति बिना पहचान पत्र के रहने लगते हैं, जो

सुरक्षा के लिहाज से जोखिम भरा हो सकता है। मकान मालिकों की यह नैतिक और कानूनी जिम्मेदारी है कि वे किराएदार रखने से पहले उसकी पूरी जानकारी और आईडी पुलिस

और पंचायत को अवश्य उपलब्ध करवाएं। जो मकान मालिक बिना वेरिफिकेशन के किराएदार रखेंगे, उनके खिलाफ भी नियमानुसार कदम उठाए जा सकते हैं।

गोगा नवमी पर हुआ धार्मिक कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ सिरसा

गौशाला मोहल्ला स्थित श्योचंद भगत की मेड़ी पर गोगा नवमी के पावन अवसर पर धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य सेवक भगत रामकिशन वर्मा ने बताया कि श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजा-अर्चना कर गोगा महाराज के समक्ष माथा टेककर परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि तथा खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम के दौरान मेड़ी परिसर में श्रद्धालुओं की विशेष भीड़ रही। इसमें महिलाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। श्रद्धालुओं द्वारा गोगा महाराज की पूजा अर्चना एवं भजन-कीर्तन किया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। आयोजकों ने



सिरसा। गोगा नवमी पर भजन कीर्तन करते श्रद्धालु।

बताया कि गोगा नवमी का पर्व क्षेत्र में श्रद्धा एवं आस्था के साथ मनाया जाता है। इस अवसर पर मेड़ी पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं तथा सभी ने मिलकर धार्मिक आयोजन को सफल बनाया। कार्यक्रम के समापन पर श्रद्धालुओं को प्रसाद

वितरित किया गया। उपस्थित लोगों ने गोगा महाराज से सभी की जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि की प्रार्थना की। इस मौके पर वार्ड नंबर 21 के पूर्व पार्षद रोहताश वर्मा, राम कृष्ण, पवन सोनी, मनोज, सुरजीत, राज, रघुबीर शर्मा, कृष्ण, सहित काफी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

बाइक सवार दो युवक हेरोइन सहित गिरफ्तार

डबवाली। पुलिस ने गांव कालूआना क्षेत्र से बाइक सवार दो युवकों को हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार पकड़े गए आरोपियों की पहचान कुलदीप व रतनलाल के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान गांव कालूआना क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान मोटरसाइकिल सवार दो व्यक्ति आते दिखाई दिए जो कि पुलिस को देखकर वापस मुड़ गए। पुलिस ने संदेह के आधार पर पीछा कर उन्हें काबू कर लिया। तलाशी लेने पर आरोपियों के कब्जे से 6.790 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस पूछताछ में आरोपियों की पहचान कुलदीप व रतनलाल के के रूप में हुई।

श्री श्याम मनोहर महोत्सव 12 को

सिरसा। श्री श्याम सलोना परिवार की ओर से श्री श्याम मनोहर महोत्सव 12 सितंबर को जनता भवन सिरसा में किया जाएगा। महोत्सव को लेकर श्याम भक्तों में खासा उत्साह है। आयोजकों द्वारा कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। आयोजकों के अनुसार महोत्सव में कोलकाता से आए प्रसिद्ध भजन गायक तुषार चौधरी बाबा श्याम के मधुर भजनों की प्रस्तुति देंगे। उनके भजनों से श्रद्धालु भक्तिरस में सराबोर होंगे। बाबा श्याम का भव्य दरबार सजाया जाएगा। आकर्षक श्रृंगार, संगीतमय भजन संध्या सहित विभिन्न धार्मिक आयोजन श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

पंजाब से हेरोइन का मुख्य सप्लायर दबोचा, मेजा जेल

■ पूछताछ के दौरान नशे के नेटवर्क का बैकवर्ड लिंक सामने आया

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ फतेहाबाद

टोहाना पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में हेरोइन आपूर्ति के मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़ा गया आरोपी पंजाब के संगरूर के गांव मनियाना का निवासी कुलदीप उर्फ कोड़ा है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश किया, जहां से न्यायिक आदेशों के बाद उसे जेल भेज दिया गया है। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक संदीप ने बताया कि गत 12 जुलाई को पुलिस टीम ने नया बाईपास रोड, भाखड़ा नहर

डॉ. शील कौशिक बाल साहित्य के लिए सम्मानित

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ सिरसा

स्मृति शेष सुविख्यात बाल साहित्यकार, यायावर डॉ. राष्ट्रबंधु द्वारा स्थापित भारतीय बाल कल्याण संस्थान के सौजन्य से वार्षिक सम्मान समारोह-2026 जय नारायण विद्या मंदिर, विकास नगर, कानपुर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ. शील कौशिक को कीर्ति शेष डॉ. भालचंद्र सेठिया विशेष सम्मान बाल साहित्य में राष्ट्रसेवा के आधार पर डॉ. अनीता सेठिया, बंगलुरु के सौजन्य से अलंकृत किया गया। उल्लेखनीय है कि डॉ. शील कौशिक हिंदी साहित्य



सिरसा। डॉ. शील कौशिक को बाल साहित्य के लिए सम्मानित करते।

की विविध विधाओं में 70 पुस्तकें लिख चुकी हैं। उन्हें हरियाणा साहित्य अकादमी का श्रेष्ठ महिला रचनाकार सम्मान, पं. माधव प्रसाद मिश्र

सम्मान, श्रेष्ठ कृति सम्मान सहित देश के 16 राज्यों से शताधिक सम्मान तथा विदेशों की चार संस्थाओं से सम्मानित किया जा चुका है।



इंडियन होटल में चोरी का मामला, भूना पुलिस ने एक और आरोपी को दबोचा

फतेहाबाद। भूना के एक होटल से इन्वर्टर, बैटरी, मोटर और बर्तन चोरी करने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। पकड़ा गया आरोपी बिंदु पुत्र कृष्ण कुमार, निवासी दाणी सांवला का रहने वाला है। इस मामले में पुलिस दो आरोपियों को पहले ही साक्ष्यों के पीछे भेज चुकी है। थाना भूना प्रभारी उपनिरीक्षक कंवर सिंह ने बताया कि गांव गोरखपुर निवासी राजेश पुत्र सतबीर सिंह की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज किया था। पीड़ित के अनुसार, अज्ञात चोर उसके इंडियन होटल एंड रेस्टोरेन्ट से पानी की मोटर, डबल बैटरी, इन्वर्टर, दो गैस सिलेंडर, एक कूलर और आठ बड़े स्टील के पतीलों सहित अन्य सामान चुराकर ले गए थे। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था। मामले की गहनता से जांच करते हुए पुलिस ने गुप्त सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर सबसे पहले संदीप कुमार निवासी सीसवाल तथा जय सिंह उर्फ पंडित निवासी दाणी सांवला को गिरफ्तार किया था।

दुष्यंत चौटाला रानियां में चलाएंगे जनसंपर्क अभियान

जजपा जिलाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर तैयार की रूपरेखा

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ सिरसा

जननायक जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष अशोक वर्मा रविवार को रानियां में पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक ली। इस दौरान हरियाणा के पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला के प्रस्तावित दो दिवसीय रानियां हलके के कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की। बैठक को संबोधित करते हुए अशोक वर्मा ने कहा कि हरियाणा के पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला सितंबर माह के अंतिम सप्ताह में रानियां हलके के विभिन्न गांवों में दो दिवसीय जनसंपर्क अभियान चलाएंगे और ग्रामीणों को पार्टी की कल्याणकारी



सिरसा। बैठक करते जेजेपी कार्यकर्ता।

नीतियों से अवगत करवाकर उन्हें पार्टी से जोड़ने की मुहिम चलाएंगे। अशोक वर्मा ने पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को इस प्रस्तावित दौरे को लेकर ड्यूटियां भी लगाई और इस जनसंपर्क अभियान में

ये रहे मौजूद

इस बैठक में राधेश्याम शर्मा, पार्टी प्रवक्ता अमर सिंह ज्याणी, जयपाल नेन, कुलदीप करीवाला, मदन शर्मा, सुखदेव सिहाग, राजेंद्र कसवां एडवोकेट, गुरगंगत सिंह, हाजी युसूफ खान, बलदेव कंबोज, अजमेर सिंह मंदीप बराड़, जगदीश नेन, पूजा महला व मदन खीचड़ आदि पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

अभियान की तर्ज पर ही अब पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला रानियां हलके में जोरशोर से जनसंपर्क अभियान चलाएंगे।

सांसद सैलजा ने केंद्रीय रेल मंत्री को मेजा पत्र

चत्तरगढ़ पट्टी आरओबी का काम शुरू करने की मांग

■ पुराने रेलवे फाटक को छोटे एवं हल्के वाहनों के लिए अस्थायी रूप से खोलने की भी मांग

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ सिरसा

सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र भेजकर सिरसा संसदीय क्षेत्र से जुड़ी रेलवे समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की है। उन्होंने सिरसा में चत्तरगढ़ पट्टी रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण जल्द शुरू करवाने के साथ निर्माण अवधि के दौरान छोटे वाहनों के लिए पुराने रेलवे फाटक अथवा माल गोदाम के पास वैकल्पिक रास्ता उपलब्ध करवाने का आग्रह किया है। इसके अलावा सांसद ने टोहाना रेलवे स्टेशन पर प्रमुख

जनहित में सकारात्मक निर्णय लेने का किया आग्रह



सैलजा ने कहा कि दोनों गांवों क्षेत्र के आम लोगों की सुविधा और लंबे समय से उठ रही जनभावनाओं से जुड़ी हैं। ट्रेनों का ठहराव मिलने से यात्रियों को सीधा रेल संपर्क उपलब्ध होगा तथा धार्मिक पर्यटन और स्थानीय व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा। वहीं, चत्तरगढ़ पट्टी में वैकल्पिक मार्ग खुलने से आरओबी निर्माण के दौरान यातायात सुचारु रखा जा सकेगा। उन्होंने रेल मंत्रालय से दोनों मामलों में तकनीकी एवं प्रशासनिक प्रक्रिया शीघ्र पूरी कर जनहित में सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया है।

एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव देने की मांग भी उठाई है। सांसद सैलजा ने रविवार को जारी एक प्रेस बयान में कहा कि चत्तरगढ़ पट्टी की ओर से निर्माण कार्य शुरू करने के लिए लोक निर्माण विभाग को जन स्वास्थ्य विभाग की स्वीकृति मिल चुकी है, लेकिन इसके बावजूद काम प्रारंभ नहीं हो पाया। इससे शहर के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों के बीच आवागमन प्रभावित हो

रहा है। छोटे वाहन चालकों, दोपहिया वाहन चालकों और साइकिल सवारों को लंबा चक्कर लगाना पड़ रहा है। उन्होंने रेल मंत्री से संबंधित अधिकारियों को निर्देश देकर पुराने रेलवे फाटक को छोटे एवं हल्के वाहनों के लिए अस्थायी रूप से खोलने या रेलवे माल गोदाम के पास वैकल्पिक मार्ग विकसित करवाने की मांग की।

नहर में हथकड़ी से बंधा मिला

युवक का शव, हत्या की आशंका

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ हिसार

कैमरी गांव के पास नहर में एक युवक का हथकड़ी से बंधा शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। राहगीरों ने कैमरी-मीरकां रोड स्थित नहर में शव को पानी में बहते देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची आजाद नगर थाना पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया। युवक के दोनों हाथ पीछे की तरफ हथकड़ी से बंधे हुए थे, जबकि सिर पर गंभीर चोट के निशान मिले। इन परिस्थितियों को देखते हुए पुलिस प्रथमदृष्टया इसे हत्या का मामला मानकर जांच में जुट गई है। सूचना मिलते ही आजाद नगर थाना पुलिस के साथ सीन ऑफ़ क्राइम की फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल से ज़रूरी साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने स्थानीय



हिसार। युवक का हथकड़ी लगा शव।

लोगों की मदद से शव को नहर से बाहर निकाला और कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल के शवगृह में भिजवा दिया। मृतक की उम्र लगभग 30 वर्ष आंकी जा रही है, लेकिन अभी तक उसकी पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने पहचान के लिए दो मोबाइल नंबर जारी कर लोगों से सूचना देने की अपील की है। आजाद नगर थाना प्रभारी मनदीवी ने बताया कि युवक के

डाबड़ा-सातरोड की ओर से बहकर आया शव

पुलिस की शुरुआती जांच के अनुसार सातरोड नहर से डाबड़ा गांव की तरफ निकलने वाले नहर मार्ग के बहाव के साथ शव आगे बढ़ता हुआ कैमरी-मीरकां क्षेत्र तक पहुंचा। अब पुलिस नहर के ऊपरी बहाव वाले इलाकों पर फोकस कर रही है। इन क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी जुटाई जा रही है।

दोनों हाथ पीछे हथकड़ी से बंधे मिले हैं और शुरुआती जांच में मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। इस्तेमाल की गई हथकड़ी पुलिस महकमे की नहीं है। युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका सही पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा।

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ सिरसा

गांव वैदवाला के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम में वैदवाला, हांडीखेड़ा, दाणी दर्शन सिंह, दाणी वडेचा और दाणी प्लांट के सरकारी प्राइमरी स्कूलों के शिक्षकों ने भाग लिया। समाजसेवी डॉ. गुरचरण सिंह ने स्कूल प्रिंसिपल नीलम कुमारी को शॉल, गुलदस्ता और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। वहीं पांचों स्कूलों के हैड को भी शॉल और ट्रॉफी तथा बाकि स्टाफ सदस्यों को शॉल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को दिलचस्प बनाने के लिए एक क्विज सेशन भी रखा गया। सही जवाब देने

वैदवाला स्कूल में शिक्षक दिवस पर सम्मान समारोह

शिक्षकों को शॉल और ट्रॉफी देकर किया सम्मानित



सिरसा। शिक्षकों को सम्मानित करते हुए।

वालों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। डॉ. गुरचरण सिंह ने कहा कि शिक्षक का सम्मान केवल एक व्यक्ति का सम्मान नहीं, बल्कि शिक्षा संस्कार और समाज निर्माण के संकल्प का सम्मान है। यह सम्मान उन्हें और अधिक मेहनत और ईमानदारी से काम करने

की प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने कहा कि आज शिक्षक बच्चों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं दे रहे, वह उनमें नैतिक मूल्यों और राष्ट्रवादी सोच को भी जागृत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वास्तव में शिक्षक एक दीपक की भांति होता है, जो अंधेरे को दूर कर ज्ञान का अक्षय



सिरसा। जिला शिक्षक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में शिक्षा विभाग द्वारा जिले के सरकारी एवं प्राइवेट स्कूलों में शिक्षक दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को कानूनी अधिकारों एवं कर्तव्यों, विधिक प्रावधानों, संवैधानिक मूल्यों तथा समाज में विधिक जागरूकता फैलाने में शिक्षक की भूमिका के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में अध्यापकों द्वारा प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक विधिक जागरूकता भाषण प्रस्तुत किए गए। शिक्षकों ने मौलिक अधिकारों एवं

दीप जलाता है। प्रत्येक विद्यार्थी को गुरु-शिष्य परंपरा का निर्वहन करते

हुए अर्जुन की भांति संकल्पबद्ध एवं एकाग्रचित्त होना चाहिए।



रतिया। बैठक में भाग लेते संत शिरोमणी नामदेव सभा के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

संत नामदेव सभा की बैठक 12 को

हरिभूमि न्यूज >>>रतिया

संत शिरोमणि नामदेव सभा फतेहाबाद की बैठक 12 सितंबर, शनिवार को फतेहाबाद में आयोजित की जाएगी। बैठक की उपाधियों को लेकर रतिया में समाजबंधुओं को निर्मण्ड दिया गया है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज की एकता को सुदृढ़ करना, संत शिरोमणि बाबा नामदेव महाराज के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना और सामाजिक उत्थान की भावी योजनाओं पर विचार-विमर्श करना है। बैठक के एजेंडे की जानकारी देते हुए प्रतिनिधियों ने बताया कि फतेहाबाद में संत शिरोमणि नामदेव भवन के लिए खरीदी गई भूमि की रजिस्ट्री कराने के मुद्दे पर विशेष रूप से विचार-विमर्श किया जाएगा। सभा ने भूमि क्रय में मिले सहयोग के लिए समाजबंधुओं का आभार व्यक्त किया। साथ ही, रजिस्ट्री प्रक्रिया को

संगठन के रिक्त पदों को जल्द भरा जाएगा

बैठक में संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए रिक्त पड़े पदों पर योग्य एवं सक्रिय समाजबंधुओं को जिम्मेदारी देने पर सहमति बनाई जाएगी। इसके अतिरिक्त समाज में व्याप्त दहेज प्रथा और पढ़ा प्रथा जैसी कुुरीतियों को समाप्त करने तथा महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए गांव-गांव जागरूकता अभियान चलाने की रूपरेखा तैयार की जाएगी। वक्ताओं ने जोर दिया कि बैठियों को समाज अवसर देना और सामाजिक बुराईयों को मिटाना समाज की पहली प्राथमिकता है।

खबर संक्षेप

श्रेष्ठ शिक्षक सम्मान से नवाजे गए राकेश भाटिया

सिरसा। शिक्षक दिवस पर न्यू सतलुज एजुकेशन सोसायटी सिरसा की ओर से स्कूल परिसर में ही कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें शिक्षक राकेश भाटिया को श्रेष्ठ शिक्षक के सम्मान से नवाजा गया। शिक्षक राकेश भाटिया को यह सम्मान स्कूल संचालिका शशि सचदेवा ने प्रदान किया। इस अवसर पर स्कूल का अन्य स्टाफ भी मौजूद था। इस दौरान शिक्षक राकेश भाटिया ने संकल्पित होकर कहा कि वे अपने शिक्षक होने के दायित्व को भविष्य में भी जारी रखेंगे।

बाबा सरसाईनाथ सेवा ट्रस्ट ने किया पौधरोपण

सिरसा। शिक्षक दिवस के अवसर पर बाबा सरसाईनाथ सेवा ट्रस्ट की ओर से हिसार रोड स्थित एक निजी संस्थान में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान ट्रस्ट के सदस्यों ने पौधे लगाकर उनके संरक्षण और नियमित देखभाल का संकल्प लिया। अध्यापक गोविंद गौतम शर्मा ने कहा कि शिक्षक दिवस महान शिक्षाविद एवं भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है। शिक्षक समाज को दिशा देने और देश की भावी पीढ़ी का निर्माण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि पौधारोपण भी एक प्रकार की सामाजिक शिक्षा है, क्योंकि आज लगाया गया पौधा आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा, छाया और बेहतर पर्यावरण प्रदान करेगा। इससे सभी का फायदा है।

35 साल बाद भारत की अर्थव्यवस्था को मिली ‘ए’ रेटिंग: डॉ. केहरवाला

हरिभूमि न्यूज >>>सिरसा

भाजपा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ. गंगासागर केहरवाला ने कहा कि 35 सालों के बाद भारत की अर्थव्यवस्था को ए रेटिंग मिली है, जोकि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं व नीतियों का नतीजा है। रविवार को अपने बयान में केहरवाला ने कहा कि दुनिया का भरोसा बढ़ रहा है कि भारत आगे बढ़ रहा है। जापान की प्रतिष्ठित रेटिंग एजेंसी जेसीआर ने भारत की सोवरन क्रेडिट रेटिंग को बीबीबी+ से बढ़ाकर ए कर दिया है। यह केवल एक रेटिंग नहीं, बल्कि भारत की मजबूत होती अर्थव्यवस्था और पिछले वर्षों में किए गए आर्थिक

सुधारों पर अंतरराष्ट्रीय भरोसे का संकेत है। केहरवाला ने कहा कि 1988 के बाद पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी ने भारत को ए कैटेगरी में रखा है। भारत की जीडीपी ग्रोथ 7.7 प्रतिशत है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.7 प्रतिशत रही। उन्होंने कहा कि 2026-27 की पहली तिमाही में वैश्विक चुनौतियों के बीच भी भारत

■ महिला शिक्षा और दहेज प्रथा के खिलाफ आवाज उठाने की रणनीति तय

पूरा करने के लिए शेष आवश्यक राशि जुटाने हेतु दानदाताओं और समाजसेवियों से सहयोग की अपील की जाएगी। पदाधिकारियों ने कहा कि यह भवन केवल एक संरचना नहीं होगी, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए शिक्षा, संस्कार, सेवा और सामाजिक चेतना का प्रमुख केंद्र बनेगी। इस मौके पर शर्मा चंद लाली, कृष्ण लाल पंवार, मास्टर हरि सिंह, रतिया सभा प्रधान हरदेव पटवारी, कोषाध्यक्ष करनेल सिंह सागू, पार्षद प्रतिनिधि, पूर्व प्रधान राजेंद्र सिंह कैथ, भूप सिंह गौहिल्ला, रामेश्वर सिंह वर्मा, बुध राम फौजी, पवन कुमार किशोरा, डॉ. जवाहर लाल, महेंद्र सिंह करी, बलदेव सिंह और गुरजीत सिंह काला आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि न्यूज >>> फतेहाबाद

अपनी लंबित मांगों को लेकर आंदोलन की राह पर उतरे सफाई और दमकल कर्मचारियों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। रविवार को विरोध-प्रदर्शन के 32वें दिन भी कर्मचारियों ने नगरपरिषद कार्यालय में धरना जारी रखते हुए सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कर्मचारियों ने साफ कर दिया है कि वे अपनी जायज मांगों से पीछे हटने वाले नहीं हैं और इसी कड़ी में हड़ताल को तीन दिन और बढ़ाकर 9 सितंबर तक विस्तारित कर दिया गया है। नगरपरिषद कार्यालय में आयोजित इस विशाल धरने की अध्यक्षता नगरपालिका कर्मचारी संघ के इकाई प्रधान नरेश राणा ने की, जबकि मंच संचालन सचिव ओमप्रकाश लोट ने संभाला। आंदोलन को उस समय और मजबूती मिली, जब कांग्रेस एससी सैल समेत कई जनसंगठनों के प्रतिनिधि एकजुट होकर धरनास्थल पर पहुंचे। कांग्रेस एससी सैल से सुरजभान, हरमिन्द्र सिंह, रामेश्वर कालवां, सुभाष सहावरत, जिला महासचिव पूनमचंद रति, रिटायर्ड सीआईडी जसवंत सिंह बलियाला, जल्लोपुर के पूर्व सरपंच मोहन लाल, गोरखपुर से महावीर सिंह



फतेहाबाद। नगरपरिषद कार्यालय में धरने को संबोधित करते इकाई प्रधान नरेश राणा। फोटो: हरिभूमि

जॉब सुरक्षा का वादा महज एक ढकोसला

धरने को संबोधित करते हुए इकाई प्रधान नरेश राणा ने सरकार की नीतियों पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार कर्मचारियों को पक्का करने की मूल मांग से ध्यान भटकाने के लिए तरह-तरह की लचकेदार घोषणाएं कर रही है। तथाकथित जॉब सुरक्षा का वादा महज एक ढकोसला है। कर्मचारी सरकार से कोई भीख नहीं, बल्कि अपना संवैधानिक हक मांग रहे हैं। न्यायालय के आदेशनुसार पक्का करने का वादा हर हाल में पूरा होना चाहिए। राणा ने कई शब्दों में चेतावनी दी कि सरकार द्वारा एसमा लगाने या कर्मचारी नेताओं को निर्लंबित करने जैसे हथकंडों से आंदोलन रूकने वाला नहीं है। जब तक सरकार उनकी मांगों को आधिकारिक रूप से स्वीकार नहीं करती, यह संकाम यूं ही जारी रहेगा।

फौजी, सुबे सिंह, अजमेर सिंह, रामचन्द्र करनौली, ब्रह्मपाल, माईराम भूथनकलां, अध्यापक नेता राजपाल मिताथल और डॉ. पृथ्वी सिंह बाना धरनास्थल पर पहुंचे और समर्थन दिया। सभी किसान, मजदूर और सामाजिक प्रतिनिधियों ने प्रदेश सरकार द्वारा कर्मचारियों पर

की जा रही दमनकारी कार्रवाई और अनदेखी की कई शब्दों में निंदा की। उन्होंने मांग की कि सरकार हठधर्मिता छोड़कर तुरंत मेज पर बैठकर बातचीत करे, ताकि समस्याओं का समाधान हो सके और कर्मचारी अपनी इष्ट्ती पर लौट सकें।

प्रवेश सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर पदोन्नत

- लहरिया में खुशी का माहौल, ग्रामीणों ने दी शुभकामनाएं
- दिल्ली पुलिस में भर्ती होने के बाद सेना में हुआ चयन, 5 सितंबर को 44 आर्म्ड रेजिमेंट में मिली पदोन्नति

हरिभूमि न्यूज >>> भूना

लहरिया गांव निवासी एवं हरियाणा पुलिस के सीआईडी विभाग में एसआई रमेश कुमार गुर्जर के बेटे प्रवेश गुर्जर ने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बनकर गांव और परिवार का नाम रोशन किया है। प्रवेश कुमार की 44 आर्म्ड रेजिमेंट में लेफ्टिनेंट पद पर पदोन्नति हुई। इस उपलब्धि पर उनके माता-पिता रमेश कुमार गुर्जर और सावित्री देवी ने बेटे को बधाई देते हुए उसका मुंह मीठा कराया और आशीर्वाद दिया। लेफ्टिनेंट प्रवेश कुमार ने पदोन्नति के बाद माता-पिता का आशीर्वाद



भूना। भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बनने के बाद प्रवेश अपने पिता एसआई रमेश कुमार व माता सावित्री देवी के साथ। फोटो: हरिभूमि

लिया तथा देश की रक्षा और सेवा के प्रति अपने संकल्प को दोहराया। प्रवेश को इस उपलब्धि से परिवार में खुशी का माहौल है। रविवार को लेफ्टिनेंट प्रवेश कुमार के लहरिया गांव पहुंचने पर ग्रामीणों और रिश्तेदारों की ओर से उनका स्वागत किया जाएगा। परिवार ने बधाई देने के

नेशनल कॉलेज में इग्नू की प्रायोगिक परीक्षाएं आरंभ

सिरसा। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केंद्र राजकीय नेशनल कॉलेज में रविवार को बैलर ऑफ लाइवरी एंड इंप्रूमेंशन साइंस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रायोगिक परीक्षाओं का विधिवत शुभारंभ हो गया। प्रायोगिक परीक्षाओं को लेकर अध्ययन केंद्र पर विद्यार्थियों ने विशेष उत्साह एवं सकारात्मक वातावरण देखने को मिला। प्रायोगिक परीक्षा के दौरान इग्नू द्वारा अध्ययन केंद्र की व्यवस्थाओं एवं परीक्षा संचालन का ऑनलाइन निरीक्षण किया गया। इस ऑनलाइन निरीक्षण के दौरान डॉ. अमित कुमार जैन द्वारा केंद्र की प्रायोगिक परीक्षा प्रक्रिया, विद्यार्थियों की उपस्थिति, परीक्षा संबंधी व्यवस्थाओं तथा अन्य आवश्यक गतिविधियों का जायजा लिया गया। उन्होंने केंद्र पर प्रायोगिक परीक्षाओं के अनुसार एवं व्यवस्थित संचालन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इसके साथ ही अध्ययन केंद्र पर जनवरी 2026 तक 5 सितंबर लेने वाले विद्यार्थियों के असाइनमेंट जमा करवाने की प्रक्रिया भी प्रारंभ हो गई है। केंद्र पर विद्यार्थियों द्वारा अपने निर्धारित असाइनमेंट जमा करवाने शुरू कर दिए गए हैं। केंद्र प्रशासन द्वारा विद्यार्थियों से अपील की गई है कि वे इग्नू द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार अपने असाइनमेंट समय पर तैयार करके अध्ययन केंद्र पर जमा करवाएं। इस अवसर पर परीक्षा केंद्र पर सुमन, डॉ. राजीव, दीपा एवं कुलदीप अरोड़ा सहित केन्द्र से जुड़े अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

टोहाना में आरएमपी डॉक्टरों व केमिस्टों के साथ बैठक

नशे के खिलाफ टैक्सी चालकों और आमजन को किया जागरूक



फतेहाबाद। पपीहा पार्क में युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक करते एसआई सुंदर लाल। फोटो: हरिभूमि

नुकड़ सभाओं का आयोजन किया। टीम ने आमजन को नशे से होने वाले गंभीर शारीरिक, मानसिक और आर्थिक नुकसान के प्रति

अनोखा विरोध, सरकार के पुतले के प्रतीकात्मक फूल गंदे नाले में बहाए

टोहाना। नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के बैनर तले सफाई कर्मचारियों का आंदोलन रविवार को तेज हो गया। कर्मचारियों ने वाल्मीकि चौक पर हरियाणा सरकार का पुतला दहन किया और नारेबाजी करते हुए शहर में रोष प्रदर्शन निकाला। प्रदर्शन के बाद कर्मचारियों ने अनोखे तरीके से विरोध जताया। पुतला दहन से बचे प्रतीकात्मक फूलों को कर्मचारियों ने गंदे नाले में प्रवाहित कर दिया। इस दौरान कई कर्मचारियों ने मुंडन कराकर पिंडदान जैसी रस्म भी निभाई। इस मौके पर संघ के प्रधान रविंद्र ने कहा कि आज हमने वाल्मीकि चौक में सरकार के पुतले का दहन किया था। उन्होंने कहा कि जिस गंगा में हम सफाई का काम करते हैं, अगर सरकार अच्छे काम करती तो हम उसे हरिवर, गंगासागर लेकर जाते, लेकिन सरकार की गलत नीतियों के कारण नाले बंद पड़े हैं, जो सरकार ने ही बंद करवाए हैं। इसलिए हमने अपने साथियों के साथ फूलों को इस गंदे नाले में अर्पित किया है। प्रधान ने आरोप लगाया कि सरकार कह रही है कि 13-14 में से 12 मांगों का समाधान हो गया है, लेकिन यह कर्मचारियों और जनता को बेवकूफ बनाने वाला झूठा आश्वासन है। जब तक मांगों का लिखित आदेश विभागों में नहीं भेजा जाता, तब तक हड़ताल जारी रहेगी।

अब ग्रामीण सफाई कर्मी भी खोलेंगे मोर्चा

फतेहाबाद। हरियाणा की भाजपा सरकार पर वादाखिलाफी का गंभीर आरोप लगाते हुए अब ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने भी अपने तेवर तीखे कर लिए हैं। नगर पालिका कर्मचारियों के आंदोलन के बाद अब ग्रामीण सफाई कर्मियों ने सड़कों पर उतरने और प्रदेशव्यापी आंदोलन शुरू करने की पूरी रूपरेखा तैयार कर ली है। यूनियन के जिला प्रधान सुनील कुमार, सचिव हरपाल सिंह और वरिष्ठ कर्मचारी नेता बेगराज ने संयुक्त बयान जारी करते हुए कहा कि राज्य सरकार वादे करके मुकरने में नया रिकॉर्ड कायम कर चुकी है। पहले नगर पालिका कर्मचारियों के साथ समझौता तोड़कर उन्हें हड़ताल पर धकेला गया और अब ग्रामीण सफाई कर्मियों के साथ हुआ लिखित समझौता भी ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। यूनियन नेताओं ने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि प्रदेश के करीब 10 हजार ग्रामीण सफाई कर्मियों ने 15 से 29 मई तक हड़ताल की थी। 29 मई को पानीपत में पंचायत मंत्री और सामाजिक न्याय मंत्री ने उच्च अधिकारियों की मौजूदगी में कर्मचारियों की 18 में से 17 मांगों पर सहमति जताई थी और 30 जून तक सभी पत्र जारी करने का भरोसा दिया था। इसके खिलाफ 11, 12 और 13 सितंबर को पानीपत के मतलौड़ में पंचायत मंत्री के आवास पर 3 दिवसीय राज्य स्तरीय पड़ाव डाला जाएगा।

सरकार कर रही अनदेखी : विधायक

टोहाना। टोहाना से कांग्रेस विधायक परमवीर सिंह ने विधानसभा में बोलने के लिए कम समय दिए जाने पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि सदन में उन्हें सिर्फ तीन तीन मिनट का समय मिला, जिसके कारण वह कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी बात नहीं रख पाए। रविवार को जारी किए अपने बयान में विधायक परमवीर सिंह ने कहा कि वह विधानसभा के लिए कई मुद्दे लिखकर ले गए थे, लेकिन समय कम होने की वजह से वह उन पर चर्चा नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि उनका सबसे मुख्य मुद्दा सफाई कर्मचारियों को पक्का करने का है, जिसे वह शुरू से ही उठाते आ रहे हैं। विधायक कहते हैं, 'उन्होंने पहले भी कई बार यह मांग उठाई है कि चाहे गांव में लगे हों, चाहे शहर में, सभी सफाई कर्मचारियों को पक्का किया जाए। ये लोग कई सालों से सेवा दे रहे हैं। इनका करना है और इनकी सारी मांगें जायज हैं। परमवीर सिंह ने सरकार से मांग की कि सफाई कर्मचारियों को पक्का करने का तुरंत ऐलान किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार को इस वर्ग की अनदेखी नहीं करनी चाहिए और जल्द से जल्द इन्हें नियमित करने की घोषणा करनी चाहिए। उनका कहना था कि कम समय मिलने के कारण वह इस महत्वपूर्ण विषय पर सदन में विस्तार से अपनी बात नहीं रख पाए, जिसका उन्हें मलाल है।

शिक्षक समाज व राष्ट्र निर्माण की आधारशिला: डॉ. अनीता

हरिभूमि न्यूज >>> सिरसा

शिक्षक दिवस के अवसर पर समर्पण वेलफेयर ट्रस्ट, सिरसा द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान एवं समर्पित सेवाओं के लिए राजकीय नेशनल महाविद्यालय सिरसा की प्राचार्या डॉ. अनीता सिंह को सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि ट्रस्ट पिछले 15 वर्षों से सामाजिक सेवा एवं जनकल्याण के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है।

संस्था द्वारा प्रत्येक वर्ष शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षा जनत में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले शिक्षकों एवं शिक्षाविदों का सम्मान किया जाता है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए ट्रस्ट पदाधिकारियों ने राजकीय नेशनल महाविद्यालय पहुंचकर प्राचार्या डॉ. अनीता सिंह को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर

प्राचार्या डॉ. अनीता सिंह ने कहा कि शिक्षक केवल विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान करने का कार्य नहीं करते, बल्कि वे उनके व्यक्तित्व, संस्कार और भविष्य का निर्माण करते हुए समाज एवं राष्ट्र की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और एक शिक्षक का सबसे बड़ा सम्मान उसके विद्यार्थियों की सफलता और समाज के प्रति उनका सकारात्मक योगदान है। उन्होंने इस सम्मान के लिए समर्पण वेलफेयर ट्रस्ट का आभार व्यक्त किया और संस्था द्वारा सामाजिक क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर रमहाविद्यालय के शिक्षक डॉ. अनीता मडिया, डॉ. सत्यपाल, विकास नैन तथा डॉ. स्मृति कम्बोज तथा ट्रस्ट की ओर से अमित लड्डा, प्रमोद बंसल, खुशीराम, कर्ण लदा, विक्रम सोनी, निहाल सिंह, मदन जैन, जॉन आदि मौजूद थे।

ट्रक और पिकअप की जोरदार भिड़ंत, कई पलटे खाकर गिरी गाड़ी, ड्राइवर बाल-बाल बचा

फतेहाबाद। मट्ट रोड पर दिगसर गांव के पास रविवार तड़के एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार ट्रक और पिकअप गाड़ी के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप अनिर्गति होकर सड़क पर कई पलटे खते हुए काफी दूर जा गिरी। गंभीरतः यह रही कि इस मरणांक दुर्घटना में कोई जानहानि नहीं हुई और पिकअप चालक की जान बाल-बाल बच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना रविवार सुबह करीब 5 बजे की है। मट्टकला निवासी बलवंत सिंह गंडेर अपनी पिकअप गाड़ी लेकर फतेहाबाद की ओर जा रहा था। जब वह दिगसरा के पास पहुंचा, तो सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उसकी पिकअप को सीधी टक्कर मार दी। ट्रक की टक्कर लगते ही पिकअप का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क पर धिसटते हुए कई बार पलटी। हादसे में पिकअप का अगला व चालक की तरफ का हिस्सा पूरी तरह चक्काचूर हो गया। हादसे के तुरंत बाद मौके पर पहुंचे स्थानीय निवासियों ने तत्परता दिखाते हुए पिकअप चालक बलवंत सिंह को बाहर निकाला। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अग्रोहा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। हादसे के बाद आरोपी ट्रक चालक वाहन छेड़कर मौके से फरार हो गया।

ऑपरेशन जीवन ज्योति की मुहिम ला रही रंग

टोहाना के सरकारी अस्पताल में डॉ. कुणाल वर्मा की अध्यक्षता में केमिस्ट शोप संचालकों और आरएमपी चिकित्सकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में नशा मुक्ति अभियान में डॉक्टरों की भूमिका, मेडिकल वेट के उचित निस्काशन, सिस्जि व नीडल के सुरक्षित रखरखाव तथा प्रतिबंधित दवाओं के रिकॉर्ड को पारदर्शी रखने पर विस्तृत चर्चा की गई। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत जागरूकता, काउंसिलिंग और पीड़ितों के इलाज की यह मुहिम जिलेभर में लगातार जारी रहेगी।

सामाजिक बुराई से बचाने का संकल्प दिलाया। अभियान के तहत नशा मुक्ति टीम ने नागरिक अस्पताल फतेहाबाद में भर्ती पीड़ितों की सामूहिक काउंसलिंग की। उन्हें डॉक्टरी सलाह का पूरी तरह पालन करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। उधर, टोहाना के सरकारी अस्पताल में सहायक उपनिरीक्षक सज्जन कुमार के नेतृत्व में टोहाना टीम ने 12 नशा पीड़ितों को दवाएं उपलब्ध कराई और गांव मधुवन में पीड़ितों से मिलकर उनके स्वास्थ्य का हाल जाना।